उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समाज विज्ञान विद्याशाखा

14 अप्रैल, 2022 : अम्बेडकर जयंती

"सामाजिक न्याय की पाश्चात्य एवं सनातन परम्परायें : ऐतिहासिक विश्लेषण"

व्याख्यान–रिपोर्ट

फोटो

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को अम्बेडकर जयंती के अवसर पर ''सामाजिक न्याय की पाश्चात्य एवं सनातन परम्परायें : ऐतिहासिक विश्लेषण'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्या का आयोजन किया गया।

फोटो

व्याख्यान के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कला संकाय के पूर्व अधिष्ठाता एवं मध्यकालीन तथा आधुनिक इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हेरम्ब चतुर्वेदी थे। अपने व्याख्यान में उन्होंने सत, चित् तथा आनन्द की परिकल्पना को तार्किक ढंग से व्याख्यापित करते हुए कहा कि सनातन की संकल्पना व्यक्ति के विचार एवं व्यवहार के सम्यक संतुलन में दृष्टिगत होनी चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने गीता रहस्य जैसे संदर्भों का भी उल्लेख किया।

फोटो

अपने वक्तव्य में उन्होंने स्थापित किया कि पाश्चात्य परम्परा जिन सामाजिक न्याय के मूल्यों को बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में समझ पायी, वह भारतीय परम्परा में अपने आदि से ही विद्यमान है। यही कारण है कि भारतीय संविधान इन्हीं मूल्यों को समुच्चयित करते हुए एक समतामूलक समाज की स्थापना करता है।

फोटो

व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर प्रकांड विद्वान एवं विधिवेत्ता के साथ ही समाजशास्त्री भी थे। उन्होंने समाज हित में अनेक कार्य किए, जिससे सामाजिक परिवर्तन आया ओर सर्वसमाज की उन्नति हुई। डॉ. अम्बेडकर ने लेखन के जरिए समाज में नवीनता का संचार किया। डॉ. अम्बेडकर संविधान शिल्पी के साथ ही सजाम सुधारक एवं मानव विज्ञानी भी थे। उन्होंने कहा कि सर्वसमावेशी समाज की स्थापना में डॉ. अम्बेडकर का योगदान महत्वपूर्ण रहा। उनका व्यक्तिव तथा कृतित्व समाज के लिए प्रेरणदायी है।

फोटो

इससे पूर्व कुलपति प्रो. सीमा सिंह तथा अन्य शिक्षकों ने विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया।

फोटो

मुख्य अतिथि प्रो. हेरम्ब चतुर्वेदी तथा कुलपति प्रो. सीमा सिंह का स्वागत संयोजक प्रो. संतोषा कुमार ने किया।

फोटो

कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने किया।

फोटो

कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी ने किया। उक्त कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।